हिन्दी सांध्य दैनिक समाचारपत्र

Email: insightdarbhanga@gmail.com

जन-जन की आकांक्षाओं का प्रतीक

इनसाइट दरभंगा

वर्ष-1 अंक-222 14 दिसम्बर 2019 (शनिवार) मूल्य-2/-रूपया

जल जीवन हरियाली के समर्थन में 19 जनवरी को मानव शृंखला बनेगा

दरभंगा जिला में 10 लाख लोग, 450 कि.मी. में एक दूसरे का हाथ थामेंगे

दरभंगा (ह०सं०) । जल-जीवन-हरियाली के समर्थन में वृहत पैमाने पर आम जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आगामी नव वर्ष 2020 में 19 जनवरी को बिहार राज्य में 16 हजार 200 कि.मी.लंबी मानव श्रृंखला बनेगी जिसमें दरभंगा जिला का लगभग 450 कि.मी. का योगदान रहेगा।

दरभंगा जिला का यह मानव श्रृंखला अपने सभी पड़ोसी जिलों यथा मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, सीतामढ़ी, सहरसा एवं मधुबनी जिले की सीमा से मिल जायेगा। इसके साथ ही लिनियर ह्यूमन चैन के साथ सभी वार्डों में 100-100 मीटर के स्ट्रेच में मानव श्रृंखला बनाकर इसे विस्तारित किया जायेगा। मानव श्रृंखला में दरभंगा जिला के 10 लाख लोगों की सशक्त भागीदारी होगी। मानव श्रृंखला को सफल बनाने हेतु जिला प्रशासन द्वारा तैयारी शुरू कर दी गई है। जिला में वृहत पैमाने पर विशाल मानव श्रृंखला का निर्माण करने हेतु जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा रूट चार्ट तैयार किया गया है जिसे जिलाधिकारी द्वारा आज अंतिम रूप दिया जायेगा। अमुमन 1 कि.मी. लंबी मानव श्रृंखला में डेढ़ से दो हजार लोग एक दूसरे का हाथ पकड़े हुए आधे घंटे के लिये खड़े होंगे जो जल जीवन हरियाली के प्रति आम लोगों की एकजुटता का अनूठा मिसाल पेश करेगा।

आज सरकार के मुख्य सचिव के द्वारा वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिये राज्य के सभी जिलों में लक्षित लंबाई में मानव श्रृंखला निर्माण हेतु की जा रही तैयारी की समीक्षा की गई। उन्होंने कहा है कि मुख्य मंत्री के आह्वान पर अगले वर्ष 19 जनवरी दिन रविवार को 11.30 बजे पूर्वाह्न में पूरे राज्य में कुल 16200 कि.मी. लंबाई में मानव श्रृंखला बनाने का निर्णय लिया गया है। इस श्रृंखला में राज्य के लगभग 4.00 करोड़ लोग मानव श्रृंखला हेतु निर्धारित आस पास के रूट पर एक दूसरे का हाथ पकड़े हुए खड़े होंगे। उन्होंने कहा है कि अपने जिला के सभी स्त्री-पुरूष, सभी जन प्रतिनिधि, सभी सरकारी एवं निजी संस्थाएं, क्लबों आदि से इस श्रृंखला में भागीदारी निभाने हेतु आग्रह किया जाये।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री, बिहार नीतीश कुमार के द्वारा जल-जीवन-हरियाली यात्रा के क्रम में सभी जिलों में जल-जीवन-हरियाली के प्रति वृहत पैमाने पर आम जागरूकता फैलाने हेतु आगामी नव वर्ष 2020 में दिनांक 19 जनवरी को राज्य स्तर पर विशाल मानव श्रृंखला बनाने हेतु हर सभा में आह्वान किया जा रहा है। इसलिये इस श्रृंखला को हर हाल में सफल बनाया जाये। उन्होंने कहा है कि रूट चार्ट का निर्धारण करके पर्याप्त संख्या में लोग वहाँ पहुंचे इस हेतु माईक्रो प्लानिंग कर ली जाये। उक्त अवसर पर यातायात व्यवस्था को अच्छी तरह से रेगुलेट करने का भी निर्देश दिया गया है।

आयुक्त दरभंगा प्रमंडल ने बताया कि प्रमंडल के सभी जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के साथ बैठक करके सारी तैयारियाँ कर ली जायेगी।

इस समीक्षा बैठक में आयुक्त दरभंगा प्रमंडल मयंक वरवड़े, जिला पदाधिकारी डॉ० त्यागराजन एस.एम, पुलिस अधीक्षक योगेंद्र कुमार, नगर आयुक्त घनश्याम मीणा, डीडीसी कारी महतो सहित संबंधित सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता आदि उपस्थित थे।

एपीजेएकेडब्ल्यूआईटी में नवनिर्मित शैक्षणिक सह प्रशासनिक भवन का हुआ उद्घाटन

दरभंगा (ह०सं०) । ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के तकनीकी संस्थान डॉ एपीजे अब्दुल कलाम महिला प्रौद्योगिकी संस्थान में नवनिर्मित शैक्षणिक सह प्रशासनिक भवन का उद्घाटन कुलपति प्रोफेसर एसके सिंह के द्वारा किया गया। इस अवसर पर मिथिला विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ समरेंद्र प्रताप सिंह , प्रति कुलपति प्रोफेसर जय गोपाल , डीन साइंस एंड टेक्नोलॉजी प्रोफेसर शीला, डीएसडब्ल्यू प्रोफेसर रतन चौधरी, पूर्व निदेशक प्रोफेसर बृजमोहन मिश्रा एवं प्रोफेसर लाल मोहन झा, पूर्व कुलसचिव प्रोफेसर नरेश कुमार झा, विश्वविद्यालय अभियंता मोहन चौधरी, विश्वविद्यालय कनीय अभियंता मोहम्मद एकबाल, छात्रावास अधीक्षिका प्रोफेसर डीआर हंसदा सहित कई पदाधिकारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रोफेसर सिंह ने कहा कि किसी भी इंजीनियरिंग संस्थान के लिए भवन का होना अनिवार्य है और यह भवन इस

संस्थान का गौरव होगा।

उन्होंने इस उपलब्धि के लिए सभी लोगों के सहयोग को सराहा। छात्राओं को बधाई देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा हमें विपरीत परिस्थितियों को अपने अनुकूल बनाने का हौसला देती है। अपनी मेधा एवं मेहनत के बल पर आप आकाश की ऊंचाइयों को छू सकती हैं।

अपने संबोधन में डॉ समरेंद्र प्रताप सिंह ने हर्ष व्यक्त करते हुए इस भवन के निर्माण को उत्कृष्ट कोटि एवं संस्थान की आवश्यकताओं के अनुरूप बताया।

आज के इस ऐतिहासिक दिन में अतिथियों का स्वागत एवं मंच संचालन करते हुए संस्थान के निदेशक प्रोफेसर एम नेहाल ने इसे सपनों के साकार होने का दिन बताया तथा उन क्षणों को भी याद किया जब पहली बार दिनांक 27 अप्रैल 2013 को तत्कालीन कुलपति डॉ समरेंद्र प्रताप सिंह के द्वारा इस भवन की नींव पड़ी थी। कुल पाँच करोड़ दो लाख की लागत से बना यह दो मंजिला भवन 26560 वर्ग फीट का है तथा जिसमें कुल 32 कमरे उपलब्ध हैं।

अनेक कठिनाइयों एवं चुनौतियों के बावजूद वर्तमान कुलपति के सकारात्मक प्रयासों के फलस्वरूप आज यह भवन बनकर तैयार हो पाया। उन्होंने अपने संबोधन में पूर्व निदेशकों के योगदान तथा विभिन्न पदाधिकारियों के प्रति आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर अन्य वक्ताओं ने भी इस भवन के निर्माण से हर्ष प्रकट की तथा संस्थान के निदेशक एवं कुलपति का साधुवाद दिया।

इस अवसर पर उपस्थित सभी शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मियों एवं विशेषकर छात्राओं में खुशी का माहौल था।